2023

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

ii) इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक है ।

खण्ड - क

1. क) 'चंद छंद बरनन की महिमा' के लेखक हैं

i) नाभा दास

ii) दामोदर शर्मा

iii) गंग कवि

iv) गोकुल नाथ ।

ख) 'कहानी एक सूक्ष्मदर्शक यन्त्र है, जिसके नीचे मानवीय अस्तित्व के रूपक दृश्य खुलते हैं।' यह कथन किसका है ?

i) सच्चिदानन्द हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

ii) मुंशी प्रेमचन्द

iii) जयशंकर प्रसाद

iv) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ।

ग) 'चौरासी वैष्णवन की वार्ता' के रचनाकार हैं

i) गोस्वामी बिट्ठल नाथ

ii) गोविंद दास

iii) बल्लभाचार्य

iv) गोकुल नाथ ।

घ) हिंदी की पहली आत्मकथा है

i) अर्द्धकथा

ii) मेरी कहानी

iii) कुछ आपबीती, कुछ जगबीती

iv) तरुण स्वप्न ।

ड़) 'प्रजा हितैषी' नामक समाचार पत्र के संपादक हैं

i) राजा शिव प्रसाद 'सितारे हिंद'

ii) राजा लक्ष्मण सिंह

iii) बाबू नवीनचंद्र राय

iv) इनमें से कोई नहीं ।

2. क) द्विवेदी-युग की समय-सीमा मानी जाती है

i) सन् 1857 से 1900 ई० तक

ii) सन् 1900 से 1918 ई० तक

iii) सन् 1918 से 1936 ई० तक

iv) सन् 1936 से 1943 ई० तक ।

ख) 'पल्लव' किसकी रचना है ?

i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

ii) जयशंकर प्रसाद

iii) सुमित्रानंदन पंत

iv) रामधारी सिंह 'दिनकर' ।

ग) केदार नाथ अग्रवाल किस काव्य-धारा के कवि हैं ?

i) छायावादी

(ii) प्रगतिवादी

(iii) प्रयोगवादी

iv) नई कविता ।

घ) 'दूसरा सप्तक' का प्रकाशन वर्ष है।

i) सन् 1943 ई०

ii) सन् 1951 ई०

iii) सन् 1960 ई०

iv) सन् 1900 ई० ।

ङ) निम्नलिखित में से कौन छायावादी कवि नहीं हैं ?

i) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

ii) सुमित्रानंदन पंत

iii) जयशंकर प्रसाद

iv) महावीर प्रसाद द्विवेदी ।

3. निम्नलिखित गद्यांश के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

विज्ञान की प्रगति के कारण नित नयी चीजों का निरंतर आविष्कार होता रहता है | जब कभी नया आविष्कार होता है उसे एक नई संज्ञा दी जाती है | जिस देश में उसकी सृष्टि की जाती है, वह देश उस आविष्कार के नामकरण के लिए शब्द बनाता है; वही शब्द प्रायः अन्य देशों में बिना परिवर्तन के वैसे ही प्रयुक्त किया जाता है |

i) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) किस कारण निरंतर नई चीजों का आविष्कार होता रहता है ?

(iv) नये आविष्कार के नामकरण के नया शब्द कौन बनाता है ?

v) अन्य देशों में बिना परिवर्तन के क्या प्रयुक्त किया जाता है ?

अथवा

साहित्य, कला, नृत्य, गीत, आमोद-प्रमोद, अनेक रूपों में राष्ट्रीय जन अपने-अपने मानसिक भावों को प्रकट करते हैं । आत्मा का जो विश्वव्यापी आनन्द-भाव है, वह इन विविध रूपों में साकार होता है । यद्यपि बाह्य रूप की दृष्टि से संस्कृति के ये बाहरी लक्षण अनेक दिखायी पड़ते हैं, किन्तु आन्तरिक आनन्द की दृष्टि से उनमें एकसूत्रता है । जो व्यक्ति सहृदय है, वह प्रत्येक संस्कृति के आनन्द-पक्ष को स्वीकार करता है और उससे आनन्दित होता है । इस प्रकार की उदार भावना ही विविध जनों से बने हुए राष्ट्र के लिए स्वास्थ्यकर है।

i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।

ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) किन रूपों में राष्ट्रीय जन अपने-अपने मानसिक भावों को प्रकट करते हैं ?

iv) सहृदय व्यक्ति किसको स्वीकार करते हुए आनन्दित होता है ?

v) प्रस्तुत पंक्तियों में लेखक ने राष्ट्र के किस स्वरूप पर प्रकाश डाला है ?

4. पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

आज की दुनिया विचित्र नवीन,

प्रकृति पर सर्वत्र है, विजयी पुरुष आसीन |

हैं बँधे नर के करों में वारि, विद्युत, भाप,

हुक्म पर चढ़ता-उतरता है पवन का ताप ।

है नहीं बाकी कहीं व्यवधान,

लाँघ सकता नर सरित, गिरि, सिंधु एक समान |

i) प्रस्तुत पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए |

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) प्रकृति पर सर्वत्र कौन आसीन है ?

iv) सरित, गिरि और सिंधु शब्दों के अर्थ लिखिए ।

v) नर के करों में क्या-क्या बँधे हुए हैं ?

अथवा

प्रकृति के यौवन का श्रृंगार

करेंगे कभी न बासी फूल;

मिलेंगे वे जाकर अति शीघ्र

आह उत्सुक है उनकी धूल

एक तुम, यह विस्तृत भू-खंड

प्रकृति वैभव से भरा अमन्द;

<u>कर्म का भोग, भोग का कर्म</u>

<u>यही जड़ का चेतन आनंद ।</u>

i) उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक और कवि का नाम लिखिए |

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए

iii) प्रकृति के यौवन का शृंगार कौन नहीं करेगा ?

iv) जड़ का चेतन आनंद क्या है ?

v) उपर्युक्त पद्यांश में कौन किसको समझा रहा है ?

5. क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए । (शब्द-सीमा 80 शब्द)

i) हजारी प्रसाद द्विवेदी

ii) प्रो० जी० सुंदर रेड्डी

iii) डॉ० ए० पी० जे० अब्दुल कलाम ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए । (शब्द-सीमा 80 शब्द)

i) मैथिलीशरण गुप्त

ii) सुमित्रानंदन पंत

iii) महादेवी वर्मा ।

6. 'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी का कथानक अपने शब्दों में लिखिए । (शब्द - सीमा 80 शब्द)

अथवा

'कर्मनाशा की हार' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक खण्ड के प्रश्न का संक्षिप्त उत्तर दीजिए । (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)

क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक के चरित्र पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की घटना को संक्षेप में लिखिए ।

ख) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए ।

ग) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रौपदी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

घ) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर उसके प्रमुख पात्र का चरित्र चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आलोक- वृत्त' खण्डकाव्य की किसी एक प्रमुख घटना का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

ङ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के पंचम सर्ग की घटना को संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

च) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं को संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर उसके प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

खण्ड - ख

8. निम्नलिखित में से किसी एक संस्कृत गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

क) अथैकः शकुनिः सर्वेषां मध्यादाशयग्रहणार्थं त्रिकृत्वः अश्रावयत् । ततः एकः काकः उत्थाय 'तिष्ठ तावत्', अस्य एतस्मिन् राज्याभिषेक काले एवं रूपं मुखं, कुद्धस्य च कीदृशं भविष्यति ? अनेन हि क्रुद्धेन अवलोकिताः वयं तप्तकटाहे प्रक्षिप्तास्तिलाः इव तत्र तत्रैव धङ्क्ष्यायः ।

अथवा

सप्तदशवर्षाणि यावत् अमरत्व प्राप्त्युपायं चिन्तयन् मूलशङ्करः ग्रामाद् ग्रामं , नगरान्नगरं वनाद् वनं, पर्वतात् पर्वतम्-भ्रमत् परं नाविन्दतातितरां तृप्तिम् । अनेकेभ्यो विद्वद्भ्यः व्याकरण- वेदान्तादीनि शास्त्राणि योगविद्याश्च अशिक्षत् ।

ख) निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक का संदर्भ सहित हिंदी में अनुवाद कीजिए

"परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम् ।

वर्जयेत्तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम् ।।"

अथवा

"आकार सदृशप्रज्ञः प्रज्ञया सदृशागमः ।

आगमैः सदृशारम्भ आरम्भ सदृशोदयः ||"

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए:

i) का भाषा 'देवभाषा' इति नाम्ना ज्ञाता ?

ii) कः सर्वज्ञः भवति ?

iii) वैवस्वतः मनुः कः आसीत् ?

iv) 'मूलशङ्करः' इति नाम कस्य महापुरुषस्य पूर्व नाम आसीत् ?

10. क) 'श्रृंगार' अथवा 'वीर' रस का लक्षण और उदाहरण लिखिए ।

ख) 'यमक' अथवा 'अतिशयोक्ति' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए

ग) 'रोला' अथवा 'चौपाई' छंद की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए ।

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए:

i) छात्र जीवन और अनुशासन ।

ii) बेरोजगारी की समस्या और समाधान ।

iii) जीवन में संस्कार और उनका महत्व

iv) पर्यावरण प्रदूषण की समस्या और समाधान ।

12. क) i) 'प्रत्याशा' का सन्धि-विच्छेद होगा

अ) प्रति + आशा

ब) प्रती + आशा

स) प्रति + याशा

द) प्रत् + आशा ।

ii) 'निश्छलम्' का सन्धि-विच्छेद होगा

अ) निश् + छलम्

ब) निश् + हलम्

स) निस् + छलम्

द) निस + छलम ।

ख) निम्नलिखित में से किसी एक पद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए:

अ) उपतटम्

ब) नीलकमलम्

स) प्रत्यक्षम् ।

13. क) i) 'नामन्' शब्द का 'षष्ठी' विभक्ति, एकवचन रूप होगा

अ) नाम्नः

ब) नाम्नोः

स) नाम्ने

द) नाम्ना ।

ii) 'आत्मन्' शब्द का चतुर्थी विभक्ति, द्विवचन रूप होगा

अ) आत्माभ्याम्

ब) आत्मभ्याम्

स) आत्मनोः

द) आत्मानो ।

ख) i) 'नी' धातु का लोट् लकार, मध्यम पुरुष, द्विवचन रूप होगा

अ) अनयत्

ब) अनयतम्

स) नय

द) नयतम्

ii) 'पा' धातु में लङ् लकार, उत्तम पुरुष, बहुवचन रूप लिखिए ।

ग) i) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के धातु एवं प्रत्यय का योग स्पष्ट कीजिए :

अ) पठितः

ब) कथितः

स) कृत्वा ।

ii) निम्न में से किसी एक शब्द का संस्कृत प्रत्यय लिखिए।

अ) श्रीमान्

ब) प्रभुत्वम्

स) मानवत्वम् ।

घ) निम्नलिखित रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा उससे सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए :

अ) गृहं <u>परितः</u> वृक्षाः सन्ति ।

ब) पादेन खञ्जः ।

स) माता पुत्रेण सह गच्छति ।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :

अ) हम हँसते हैं ।

ब) यह राम की पुस्तक है ।

स) मैं घर से जाता हूँ ।

द) कुएँ में जल है ।